NEW ERA AGRICULTURE MAGAZINE

वर्टिकल गार्डनिंग करने की तकनीक

डॉ शशि यादव, डॉ सुमन प्रसाद मौर्या

परिचय:

वर्टिकल गार्डनिंग एक सीमित स्थान में अधिक पौधे उगाने की बेहतरीन तकनीक है, जिसमें आप जमीन की बजाय वर्टिकल स्पेस अर्थात दीवार, जाली, खंभे या ट्रेली की सहायता से गमले या ग्रो बैग में पौधे उगा सकते हैं। गार्डन बनाने की यह तकनीक शहरी क्षेत्रों में तेजी से लोकप्रिय हो रही है, क्योंकि इससे शहरी क्षेत्र के लोग कम जगह में अधिक पौधे उगा पाते हैं। वर्टिकल गार्डनिंग को घर के अंदर या बाहर दोनों जगह किया जा सकता है और इसमें सब्जियों, जड़ी-बूटियों, फूलों और सजावटी पौधों को भी उगाया जा सकता है।

वर्टिकल गार्डनिंग के फायदे -

घर पर वर्टिकल गार्डन बनाने के कई फायदे हैं, जिनमें से कुछ नीचे दिए गए हैं:-

- गार्डनिंग का यह तरीका घर की सीमित जगह वाले लोगों के लिए एकदम सही है। इससे एक छोटे से क्षेत्र में अधिक पौधे उगाए जा सकते हैं।
- वर्टिकल गार्डनिंग से जगह बचाने में मदद मिलती है।
- पौधों को वर्टिकली उगाकर आप सब्जियों की उपज बढ़ा सकते हैं, क्योंकि इस तरह उगाए गए पौधे अधिक धूप प्राप्त कर सकते हैं, जिससे उनका बेहतर विकास और उच्च पैदावार

डॉ शशि यादव, डॉ सुमन प्रसाद मौर्या
मानव - विकास एवं परिवार अध्ययन विभाग
सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय,
आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कुमारगंज अयोध्या

होती है।।

- वर्टिकल गार्डन में लगे पौधों को पानी देना, प्रूनिंग करना और कटाई करने में आसानी होती है।
- सौंदर्य की दृष्टि से वर्टिकल गार्डन देखने में आकर्षक होते हैं, जो आपके घर की शोभा बढ़ा सकते हैं।
- आप वर्टिकल गार्डन को किसी भी जगह बालकनी, आंगन या टेरेस पर भी बना सकते हैं।

अब आप यह तो समझ गए होंगे, कि वर्टिकल गार्डनिंग करके आप छोटी जगह में अधिक सब्जियां उगा सकते हैं, आगे हम जानेंगे- घर पर बने वर्टिकल गार्डन में अधिक सब्जियां कैसे उगाएं

कम जगह में ज्यादा सब्जियां कैसे उगाएं -

अब जब आपने जान लिया है कि वर्टिकल गार्डनिंग क्या है और इसके क्या फायदे हैं? तो आइये जानते हैं, इस तकनीक का उपयोग कर कम जगह में अधिक सब्जियां कैसे उगाएं?

छोटी सी जगह में अधिक सब्जियां उगाने के कुछ टिप्स निम्न हैं:-

वर्टिकल गार्डन की योजना बनाएं-

घर पर वर्टिकल गार्डनिंग करने के लिए आपको सबसे पहले जगह के अनुसार योजना बनानी होगी। गार्डन की प्लानिंग करते समय आपको यह ध्यान रखना जरूरी है, कि आपके पास कितनी जगह है और आप उस जगह में कौन से तथा कितने पौधे लगा सकते हैं? इसके अतिरिक्त आपको यह ध्यान रखना भी जरूरी है, कि आप जहाँ पौधों को लगाने जा रहे है, वहां उन्हें पर्याप्त धूप प्राप्त हो सके। आप प्लानिंग के दौरान वर्टिकल गार्डन के लिए जरूरी चीजों (जैसे- वर्टीकल पॉकेट ग्रो बैग, स्टैंड, हैंगिंग पॉट्स, गार्डन टूल्स, क्रीपर नेट इत्यादि) की लिस्ट जरूर बनाएं।

अपने वर्टिकल गार्डन में उगाने के लिए सही पौधे चुनें-

यदि आप अपने घर पर सुन्दर वर्टिकल गार्डन तैयार करने जा रहे हैं, तो उससे अधिक सब्जियां पाने के लिए सही पौधे का सिलेक्शन

बेहद जरूरी होता है। अपने गार्डन के लिए ऐसे पौधे चुनें, जो कम जगह में आसानी से उग जाते हों और आपके एक ही पौधे से अधिक सब्जियां प्राप्त हो सकें। आमतौर पर वर्टिकली गार्डन के लिए टमाटर, बीन्स, खीरा, मटर और हर्ब्स जैसे चढ़ाई वाले पौधे, पत्तेदार सब्जियां आदर्श होती हैं।

पौधे उगाने के लिए ऑर्गेनिक मिट्टी तैयार करें-

आमतौर पर पौधों की अच्छी ग्रोथ और सब्जियों की बेहतर उपज के लिए कार्बनिक पदार्थों और पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है, यह पोषक तत्व उन्हें मिट्टी के माध्यम से उपलब्ध कराए जाते हैं। इसलिए यदि आप चाहते हैं, कि अपने वर्टिकल वेजिटेबल गार्डन से अधिक सब्जियां प्राप्त कर पायें, तो पौधे लगाने के लिए आपको अच्छा पॉटिंग मिक्स तैयार करना होगा। आप सामान्य मिट्टी में रेत, पर्लाइट या वर्मीकुलाईट, गोबरखाद, व र्मीकम्पोस्ट, मस्टर्ड केक, नीम केक और कोकोपीट आदि । जैविक खाद मिलाकर मिट्टी तैयार कर सकते हैं। आमतौर पर पौधों की अच्छी ग्रोथ और सब्जियों की बेहतर उपज के लिए कार्बनिक पदार्थों और पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है, यह पोषक तत्व उन्हें मिट्टी के माध्यम से उपलब्ध कराए जाते हैं। इसलिए यदि आप चाहते हैं, कि अपने वर्टिकल वेजिटेबल गार्डन से अधिक सब्जियां प्राप्त कर पायें, तो पौधे लगाने के लिए आपको अच्छा पॉटिंग मिक्स तैयार करना होगा। आप सामान्य मिट्टी में रेत, पर्लाइट या वर्मीकुलाईट, गोबर खाद, वर्मीकम्पोस्ट, मस्टर्ड केक, नीम केक और कोकोपीट आदि जैविक खाद मिलाकर मिट्टी तैयार कर सकते हैं।

➡ गार्डन में लगे पौधों को उचित सहारा दें -

वर्टिकली उगाए गए पौधों को मजबूत सहारे की आवश्यकता होती है, अतः आप अपने गार्डन के गमलों में लगे पौधों को अच्छी तरह बढ़ने और सपोर्ट देने के लिए क्रीपर नेट, ट्रेलिस, स्टेक या स्टैंड का प्रयोग कर सकते हैं। हालाँकि पौधे के लिए उचित सहारा आप उसके वजन और बढ़ने के आकार के अनुसार दे

सकते हैं। आप अपनी बेल वाली सब्जियों को मजबूत सहारा देने के लिए क्रीपर नेट के साथ प्लांट सपोर्ट क्लिप्स का भी उपयोग करें।

पौधे लगाने के लिए प्लांटिंग कंटेनर का प्रयोग करें -

पॉट या ग्रो बैग वर्टिकल गार्डनिंग का मुख्य हिस्सा हैं, आप सब्जियों को उगाने के लिए पौधे की बढ़ने की अवस्था के अनुसार विभिन्न आकारों और आकृतियों के कंटेनरों का उपयोग कर सकते हैं। जैसे फ्लावर प्लांट लगाने के लिए छोटे गमले तथा सब्जियों को उगाने के लिए मीडियम साइज के ग्रो बैग आदि। लेकिन सुनिश्चित करें कि आप जिस भी गमले या ग्रो बैग को खरीदते हैं, वह अच्छी जल निकासी वाला होना चाहिए।आप अपने वर्टिकल गार्डन में पौधे लगाने के लिए **HDPE** ग्रो बैग, फैब्रिक ग्रो बैग, वॉल प्लांटर्स, पॉकेट ग्रो बैग, हैंगिंग पॉट्स आदि का उपयोग कर सकते हैं।

- वर्टिकल गार्डन के पौधों को पर्याप्त पोषक तत्व और पानी दें -

आमतौर पर अन्य पौधों की तरह वर्टिकल गार्डन में लगे पौधों को भी अच्छी वृद्धि करने के लिए पर्याप्त पानी और खाद की जरूरत होती है। अतः गमले में लगे पौधों की मिट्टी में नमी की जांच करें तथा पौधों को आवश्यकतानुसार पानी दें। इसके अतिरिक्त जमीन के पौधों की अपेक्षा कंटेनर में लगे पौधों को अतिरिक्त पोषक की भी आवश्यकता होती है। अतः अपने वर्टिकल गार्डन से अधिक सब्जियां प्राप्त करने के लिए पौधे की जरूरत के अनुसार महीने में एक जैविक संतुलित उर्वरक जैसे बायो **NPK,** प्लांट ग्रोथ प्रमोटर, सीवीड तथा **PROM** फर्टिलाइजर आदि देना उचित है।

NEW ERA AGRICULTURE MAGAZINE